



न्यूज़ ब्रीफ

एशियन खेल 2026: लवलीना बोरगोहेन फाइनल में, बोगदानोवा को 3-2 से हराया

आइची-नागोया। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं के 75



किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। निशियो जिम्मेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लवलीना ने कजाकिस्तान की नताल्या बोगदानोवा को कड़े मुकाबले में 3-2 के रिवल्ट डिंसीजन से हराया। लवलीना ने मुक्केबाज ने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की। सभी पांच जजों ने दूसरे राउंड में लवलीना के पक्ष में 10 अंक दिए, जिससे उन्होंने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। बोगदानोवा ने तीसरे राउंड में भी 3-2 से बढ़त बनाई, लेकिन शुरुआती दो राउंड में लवलीना की बढ़त को पार करने के लिए यह पर्याप्त नहीं था। भारतीय मुक्केबाज ने कुल स्कोर के आधार पर मुकाबला अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट कटया। सेमीफाइनल से पहले लवलीना ने दक्षिण कोरिया की सेओंग सुयोको को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अब लवलीना की रजत एशियन खेल में अपने पदक का रंग बदलने पर होगी। उन्होंने तीन साल पहले हांगझोऊ एशियन खेल में मिडिलवेट वर्ग में रजत पदक जीता था। इस बार वह स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेगी। लवलीना ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। उन्हें फाइनल में आस्ट्रेलिया की एमा-स्यू ग्रीनडी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

वित्या ने एशियाई खेलों में दो पदक जीतकर उषा का रिकार्ड तोड़ा



आइची। भारत की वित्या रामराज ने जापान में जारी एशियाई खेलों 2026 में दो पदक जीतकर दिग्गज धाविका पी टी उषा का रिकार्ड तोड़ दिया। तमिलनाडु के कोयंबटूर की इस एथलीट ने न केवल दो प्रतिष्ठित पदक अपने नाम किए, बल्कि महान एथलीट उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकार्ड भी खस्त कर दिया। कड़ी मेहनत और अटूट लगन से ये सफलता हासिल कर वित्या ने युवाओं के लिए उदाहरण पेश किया है। वित्या ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में, संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान की एर्डेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ ही रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले, वित्या एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा की टीम का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। वित्या के लिए 400 मीटर बाधा दौड़ का कांस्य पदक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दौड़ में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 54.75 सेकंड का समय निकालकर ये हासिल किया था। इससे वह 1984 के लास एंजेलिस ओलंपिक में उषा द्वारा बनाए गए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकार्ड से आगे निकल गयी हैं।

एशियन खेल 2026: सुनील कुमार सेमीफाइनल में हारे, अब कांस्य के लिए होगी चुनौती

आइची-नागोया। भारतीय पहलवान सुनील कुमार को एशियन खेल 2026 में पुरुषों के ग्रीको-रोमन 87



किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जापान के ताइजो योशिदा के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9-0 से हराया था। उस मुकाबले में उनके प्रतिद्वंद्वी को एक भी अंक नहीं मिला था। कंपाउंड तीरंदाजी में भारत का स्वर्ण इस बीच, ज्योति वेन्मम, धिकिता तनीपथी और पृथिका प्रदीप की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने चीन को 238-234 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने इससे पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 234-233 से हराया था। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिता तनीपथी और साहिल जाधव ने भी फाइनल में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने रोमांचक सेमीफाइनल में थाईलैंड को 156-155 से हराया। महिला स्वदेश टीम ने पक्का किया पदक भारतीय महिला स्वदेश टीम ने सिंगापुर को क्वार्टर फाइनल में 2-0 से हराकर पदक पक्का किया। तन्वी खन्ना और अनाहद सिंह ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया।

नईदुनिया

बांग्लादेश, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए आस्ट्रेलियाई टीम घोषित, सोफी मोलिन्यू होंगी कप्तान

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए अपनी महिला टीम घोषित कर दी है। दोनों सीरीज के लिए सोफी मोलिन्यू को कप्तान बनाया गया है। हालांकि, कूल्हे की चोट से उबर रही मोलिन्यू की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जाएगी।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि मोलिन्यू टीम में शामिल हैं, लेकिन चोट से पूरी तरह उबरने के बाद ही उनकी सीरीज में भागीदारी पर अंतिम फैसला होगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शान फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू कूल्हे की

चोट का प्रबंधन कर रही हैं और आने वाले दिनों में उनकी स्थिति का आकलन किया जाएगा।

आस्ट्रेलिया ने दोनों सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम चुनी है। तेज गेंदबाज डारसी ब्राउन पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जबकि लुसी हैमिल्टन बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में क्वाड स्ट्रेन के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगी। हालांकि, उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है।

ग्रेस हैरिस को टीम में जगह नहीं मिली है। चयनकर्ता फ्लेगलर ने स्पष्ट किया कि वह

भविष्य की योजनाओं में बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि टी20 टीम का आकार छोटा होने और विश्व कप के दौरान सीमित अवसरों के कारण हैरिस चयन से चूक गईं।

बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी। तीनों मुकाबले ब्रिस्बेन के एलन बार्डर फील्ड में खेले जाएंगे। पहला वनडे 9 अक्टूबर, दूसरा 11 अक्टूबर और तीसरा 14 अक्टूबर को होगा। इसके बाद आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। पहला मैच 18 अक्टूबर, दूसरा 20 अक्टूबर और तीसरा 22 अक्टूबर को

सिडनी के नार्थ सिडनी ओवल में खेला जाएगा। फ्लेगलर ने कहा कि विश्व कप के बाद होने वाले ये छह मुकाबले आस्ट्रेलियाई टीम के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे और बांग्लादेश तथा न्यूजीलैंड दोनों अलग-अलग तरह की चुनौती पेश करेंगे।

आस्ट्रेलिया टीम: निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गर्थ, लुसी हैमिल्टन*, एलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), सोफी मोलिन्यू (कप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जार्जिया वोल और जार्जिया वेयरहैम।

एशियन खेल 2026: प्रिया घंधास सेमीफाइनल में हारीं, कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष



आइची-नागोया

भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंधास ने एशियन खेल में अपने पदार्पण को कांस्य पदक के साथ समाप्त किया।

हरियाणा के झज्जर जिले की 20 वर्षीय प्रिया को महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

निशियो में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में प्रिया ने अनुभवी चीनी मुक्केबाज को कड़ी चुनौती दी, लेकिन यांग चेंग्यू ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही प्रिया का कांस्य पदक पहले ही पक्का हो गया था।

प्रिया ने हाल के महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेल, 2026 एलीट

एशियाई चैंपियनशिप, 2026 उत्तरी नाद लावेम ग्रा प्री और 2026 बाक्सस कप में स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने 2025 थाईलैंड ओपन में कांस्य पदक भी हासिल किया था।

तकनीकी सटीकता, रिंग में समझ और संयमित अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली प्रिया ने एशियन गेम्स के अपने पहले ही अभियान में पदक जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

भारत के मुक्केबाजों ने इस बार पिछले एशियन खेल के प्रदर्शन में भी सुधार किया है। पिछले संस्करण में भारत ने एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे, जबकि एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाज अब तक छह पदक पक्के कर चुके हैं।

भारत की परवीन हुड्डा (65 किग्रा) और अंकुश पंघाल (80 किग्रा) पहले ही फाइनल में पहुंच चुके हैं। दोनों शुक्रवार को स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगे।



एशियन खेल 2026: नीरू धांडा और किनान चेनाई ने ट्रेप मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण

आइची-नागोया। भारत की नीरू धांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने एशियन खेल 2026 में ट्रेप मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 40 में से 34 निशाने साधे और नए एशियाई रिकार्ड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। कतर ने 32 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन को 23 अंकों के साथ कांस्य पदक मिला। यह एशियन खेल की ट्रेप मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नीरू के लिए यह एशियन खेल 2026 में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रेप स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में एशियन खेल का व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। नीरू ने व्यक्तिगत फाइनल में 28 निशाने लगाकर एशियाई रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नीरू ने 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शाटगन विश्व कप में महिलाओं की ट्रेप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। इसके अलावा उन्होंने 2025 एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता। वहीं, किनान दारियस चेनाई भारत के अनुभवी ट्रेप निशानेबाजी में शामिल हैं। हैदराबाद में जन्मे किनान ने 2003 में निशानेबाजी शुरू की थी। उनके पिता डेरियस चेनाई भी राष्ट्रीय स्तर के ट्रेप निशानेबाज रहे हैं। किनान ने चार बार के ओलंपियन और प्रसिद्ध कोच मंशेर सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। किनान ने 2008 राष्ट्रमंडल युवा खेलों में पुरुषों की ट्रेप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने 2016 में भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया और रियो ओलंपिक में पुरुषों की ट्रेप स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 2022 हांगझोऊ एशियन खेल में भी किनान ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पुरुषों की ट्रेप टीम स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत ट्रेप स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा 2021 आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की ट्रेप टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी उनके नाम है। नीरू और किनान की इस जीत के साथ भारत ने ट्रेप मिश्रित टीम में अपना पहला एशियन खेल स्वर्ण पदक हासिल किया। इस स्वर्ण के साथ भारत पदक तालिका में अब 8वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत के कुल 57 पदक हो गए हैं, जिसमें 9 स्वर्ण, 21 रजत और 27 कांस्य पदक शामिल हैं।

एशियन खेल 2026: सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, फोमिन को सीधे सेटों में हराया



आइची-नागोया। भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एशियन खेल 2026 में पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। नागल ने राउंड आफ 16 के मुकाबले में उज्बेकिस्तान के सर्गई फोमिन को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। नागल ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में 6-3 से जीत दर्ज की और दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखते हुए 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ नागल पदक पक्का करने से अब सिर्फ एक जीत दूर हैं। फोमिन के खिलाफ यह नागल की लगातार तीसरी जीत है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए तीनों मुकाबले भारतीय खिलाड़ी ने जीते हैं। क्वार्टर फाइनल में नागल का सामना चीन के वू यिबिंग से होगा। यह मुकाबला 1 अक्टूबर को खेला जाएगा।

एशियाई खेल 2026 में भारत का यह सातवां स्वर्ण

आइची-नागोया

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने एशियन खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। ज्योति सुरेखा वेन्मम, पृथिका प्रदीप और तनीपथी चिकिता की भारतीय टीम ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

इस जीत के साथ भारत ने महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में अपना एशियन खेल खिताब बरकरार रखा।

भारतीय टीम ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी। भारत ने पहले चरण के बाद 60-58 की बढ़त बनाई, जो दूसरे चरण के बाद 119-116 और तीसरे चरण के बाद 178-175 हो गई।



अंतिम चरण में भारतीय तीरंदाजों ने लगातार सटीक निशाने लगाकर चीन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

फाइनल के आखिरी दौर में चिकिता,

पृथिका और ज्योति ने लगातार 10-10 अंक हासिल किए। चीन ने भी अंतिम चरण में तीन 10 लगाए, लेकिन भारतीय टीम की बढ़त इतनी मजबूत थी कि वह स्वर्ण पदक अपने नाम करने

में सफल रही।

इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने विश्व रिकार्ड की बराबरी भी की। भारत ने उस रिकार्ड की बराबरी की, जो दक्षिण कोरिया ने 2014 इंचियोन एशियन खेल में बनाया था।

भारत ने इस स्पर्धा में इससे पहले 2018 में रजत और 2014 में कांस्य पदक जीता था। अब लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतकर भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने एशियन खेल में अपना दबदबा कायम किया है।

ज्योति का अनुभव और उपलब्धियों का सिलसिला - भारतीय टीम की सबसे अनुभवी सदस्य ज्योति सुरेखा वेन्मम लंबे समय से देश की प्रमुख कंपाउंड तीरंदाजों में शामिल हैं। उन्होंने 2011 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। ज्योति ने 2023 एशियन सटीक निशाने लगाकर चीन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कप चरणों में 11 स्वर्ण पदक जीते हैं। एशियाई आउटडोर चैंपियनशिप में भी उनके नाम सात स्वर्ण पदक हैं। उनके शानदार करियर को देखते हुए उन्हें 2017 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चिकिता ने कम उम्र में बनाई पहचान - तनीपथी चिकिता ने कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है। तेलंगाना की इस तीरंदाज ने 2025 विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप में अंडर-21 महिला व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। किसान परिवार से आने वाली चिकिता ने अपने पिता की प्रेरणा से दूसरी कक्षा में तीरंदाजी शुरू की थी। वर्ष 2018 में उन्होंने इसे गंभीरता से अपनाया और 2021 में पेशेवर स्तर पर कदम रखा। वह 2025 और 2026 विश्व कप में टीम स्पर्धा के दो रजत पदक सहित एशियन ग्रां प्री में भी कई पदक जीत चुकी हैं।